महिला जन जागृति, सेवा समिति द्वारा किये गए जन चेतना सशक्तीकरण एवं स्कूल पूर्व शिक्षा का उत्तर कालीन मूल्यांकन

सौजन्य से
लोक कार्यकम एवं ग्रामीण प्रौद्योगिकी विकास
परिषद (कपार्ट) लखनऊ

अध्ययनकर्त्ता
डा0 योगेन्द्र पाल सिंह

गिरि विकास अध्ययन संस्थान
सेक्टर 'ओ' अलीगंज
लखनऊ
2006

महिला जन जागृति सेवा समिति द्वारा किये गये जन चेतना सशक्तीकरण एवं स्कूल पूर्व शिक्षा का उत्तर कालीन मूल्यांकन

चिरगाँव झाँसी स्थित महिला जन जागरण समिति वर्ष 1995 से समाज सेवा के विभिन्न कार्यों में कार्यरत रही है। समिति ने चिरगाँव के देहात में बसे बेघरबार आदिवासियों को मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से जनचेतना सशक्तीरण एवं स्कूल पूर्व शिक्षा के कार्यक्रम दिनाँक 1–9–2002 से 31–8–2003 तक चलाये थे। कार्यक्रमों को चलाने के लिए लोक कार्यक्रम एवं ग्रामीण प्राद्योगिकी विकास परिषद (कपार्ट) लखनऊ ने अनुदान उपलब्ध किया था। कार्यक्रमों का उत्तर कालीन मूल्यांकन का कार्य कपार्ट ने गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ को दिया था और उसी सिलसले में यह रिपार्ट लिखी गई है।

समिति ने कार्यक्रम देहात के भाण्डेर रोड व रेलवे स्टेशन के बीच चलाया था और इस इलाके को सिंधी कॉलोनी के नाम से जाना जाता है। साधारणतया ये निवासी प्लास्टिक के टप्पर से बने निवासों में रहते थे पर रेलवे की जमीन होने की वजह से रेलवे पुलिस इन पर अत्याचार करती रहती थी। यहाँ बसने से पूर्व सभी परिवार गुजरात में रहते थे जहाँ से आकर 1948 में ये चिरगाँव में बस गए। यद्यपि ये शिल्पकार जाति के हैं और पत्थर की मूतियाँ बनाने का कार्य करते हैं, यहॉ के स्थानीय निवासी इन्हें आदिवासी कहते हैं।

झाँसी से लगभग 32 कि.मी. दूर स्थित चिरगाँव देहात ग्रामसभा 25 मौजों में बँटी हैं। रेलवे स्टेशन कॉलोनी में 25 परिवार रहते थे और इन्हीं में जागरूकता लाने का प्रयास सर्वप्रथम महिला जन जागृति सेवा समिति ने किया। पुलिस के अत्याचारों की वजह से 11 परिवार तो भागकर कहीं और चले गए पर 14 परिवारों में जागरूकता लाने में उसे सफलता प्राप्त हुई और समिति ने इन परिवारों को चिरगाँव के ही नरसिंहपुर माजरे में बसा दिया है तथा उन्हें आवास के लिए जमीन भी दी गई है। संस्था द्वारा चलाए गए दो कार्यक्रम निम्न प्रकार हैं :

1– जन चेतना एवं सशक्तीकरण कार्यक्रम – 50 प्रतिभागी

2– स्कूल पूर्व शिक्षा एवं प्रेरणा – 25 बच्चे

(1) जनचेतना एवं सशक्तीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत जो कार्य किये गए उनका मुख्य उद्देश्य लोगों में साक्षरता लाना, स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देना, नशाखोरी तथा चोरी जैसी बुराईयों के प्रति सचेत करना तथा उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलम्बी बनाना था।

(2) स्कूल पूर्व शिक्षा एवं प्रेरणा कार्यक्रम 5 साल की आयुवर्ग से कम के बच्चों के बीच चलाया गया और उसका उद्देश्य बच्चों को प्राथमिक विद्यालय में प्रवेश दिलाने के लिए तैयार करना था। इस कार्य के लिए एक अध्यापिका का चयन किया गया और रोज बच्चों को 3 घंटे पढ़ाने के लिए तथा लगातार बैठे रहने की आदत डालने के लिए 500 रू0 प्रति माह का मानदेय देने का प्रबंध था। बच्चों को नाश्ता, लिखने–पढ़ने की सामग्री और कभी आसपास भ्रमण करवाने की भी व्यवस्था थी।

मूल्यांकन कपार्ट द्वारा दिये गये निर्देशों के आधार पर ही किया गया। इन्हीं बिन्दुओं को आधार बनाते हुए हम अपना मूल्याँकन प्रस्तुत कर रहे हैं।

(i) क्या कार्यक्रमों का उद्देश्य पूरा हो सका ?

जनचेतना के उद्देश्य में समिति सफल रही क्योंकि आादिवासी परिवार के व्यक्तियों को अक्षरज्ञान को गया है। वे अपने हस्ताक्षर बना सकते हैं तथा थोड़ा लिख–पढ़ भी सकते हैं। काफी हद तक अपनी शराब पीने तथा चोरी करने की आदतें भी छोड़ चुके हैं। आजकल वे कागज के फूल बना कर बेचना, फेरी लगाकर सामान बेचना, कृषि मजदूरी करना तथा ईंट – भट्टे में कार्य करके अपनी जीविका अर्जन कर रहे हैं। साथ ही साथ स्वास्थ्य तथा बच्चों की पढ़ाई के प्रति भी इनमें जागरूकता देखने में मिलती है। 50 प्रतिभागियों से 15 से साक्षात्कार करके ही यह नतीजा निकला है।

जिन 25 बच्चों को स्कूल पूर्व शिक्षा दी गई उनमें से 22 बच्चों ने प्राथमिक विद्यालय में अपना नामांकन भी करवाया था। परन्तु वर्तमान में 15 बच्चे ही स्कूल जा रहे हैं। जिन्होंने स्कूल जाना अब छोड़ दिया है। उसका कारण स्कूल की दूरी या पारिवारिक परिस्थितयाँ रही हैं। 15 बच्चों से 7 से

साक्षात्कार करने के बाद यह पता चलता है कि उनमें स्कूल जाने तथा पढ़ाई करने के प्रति एक लगाव हो चुका है। अतः समिति का प्रयास सराहनीय है।

(ii) क्या भौतिक लक्ष्य की प्राप्ति हुई ?

दोनों कार्यक्रमों में लक्ष्य की प्राप्ति में समिति सफल रही। प्रथम कार्यक्रम में 50 प्रतिभागी थे तथा दूसरे के लिए 25 बच्चों का चयन किया गया था।

(iii) क्या लाभार्थी कार्यक्रम से संतुष्ट हैं ?

जैसा कि इंगित किया जा चुका है हमने 15 प्रतिभागी तथा 7 बच्चों से बैठकर विचार विमर्श किया और इसके आधार पर यह तथ्य निकल कर आया कि सभी लाभार्थी कार्यक्रमों से पूरी तरह संतुष्ट हैं और उनका मानना है कि उन्हें लाभ प्राप्त हुआ हैं।

(iv) साक्षात्कार के बारे में जानकारी:

जनचेतना से संबंधित जिन 15 तथा पूर्व स्कूल शिक्षा से जुड़े हुए 7 लाभार्थियों से हमने साक्षात्कार किया उनकी सूची संलग्न है। चयनित लोगों के नाम के सामने सभी लाभार्थियों वाली सूची में टिक लगा दिया गया है। ये साक्षात्कार दिनाँक 25–09–2006 को किया गया था।

(v) कार्यक्रम को अन्य क्षेत्रों में भी सफलतापूर्वक चला सकने की संभावना:

यदि कार्यक्रम इतनी ही निष्ठा तथा रूचिपूर्ण तरीके से चलाया जाय जैसा कि महिला जन जागृति सेवा समिति ने चलाया था तो निसंदेह ऐसे कार्यक्रम कहीं भी सफल हो सकते हैं।

(vi) कार्यक्रमों का उस क्षेत्र में क्या प्रभाव पड़ा ?

इस कार्यक्रम के फलस्वरूप इस इलाके के व्यक्तियों में इन आदिवासियों के प्रति व्यवहार में काफी सुधार दिखने को मिला है। वे इन्हें सहयोग देने में पीछे नहीं रहते।

(vii) कार्यक्रमों के संचालन में किस प्रकार की कठिनाईयों का सामना करना पड़ा ?

समिति को कपार्ट से पूरा योगदान व सहयोग मिला। परन्तु कार्यक्रम को चलाते समय आरम्भ में गाँववाले से सहयोग प्राप्त होने में थोड़ा प्रयत्न करना पड़ा। साथ ही साथ इन आदिवासियों के प्रति

पुलिस वालों की जो सोच थी और व्यवहार था उसे ठीक करने में भी समिति को मेहनत करनी पड़ी क्योंकि पुलिस वालों के दृष्टिकोण में ये आदिवासी अतिक्रमण करने वाले तथा अपराधी प्रवृत्ति के लोग थे परन्तु एक बार जब इन्हें समझाने में समिति सफल हो गई तो फिर कार्यों का संचालन आराम से सम्पन्न हो गया। जो कठिनाईयाँ आईं वो अन्य कार्यों को करने में आईं जो कार्यक्रम की रूपरेखा से हटकर थे जैसे लोगों के राशन कार्ड बनवाना, उन्हें ग्राम सभा की जमीन आवास के लिए उपलब्ध करवाना तथा इन व्यक्तियों का नाम मतदाता सूची में शामिल करवाना थे। अच्छी बात यह है कि समिति इन कार्यो को करने में भी सफल रही।

(viii) कपार्ट द्वारा दिये गये अनुदान तथा उसका सदुपयोग

व्यय की गयी धनराशि

(व्यय रूपये में)

कार्यक्रम	कुल व्यय	कपार्ट अनुदान	संस्था सहयोग
(1) जन चेतना सशक्तीकरण	25244	25000	224
(2) स्कूल पूर्व आयु के बच्चों का शिक्षण	12595	12500	95
(3) पायोअप एवं समूह का गठन	5000	5000	–
योग	42839	42500	339

(a) जनचेतना कार्यक्रम के लिए कपार्ट से समिति को 25,000 रूपये की धनराशि प्राप्त हुई थी और इसके अतिरिक्त 224 रू0 समिति का सहयोग था। इस धनराशि का सही उपयोग निम्नलिखित मदों पर किया गया:

बोर्ड बनाना, टेन्ट की व्यवस्था, कुर्सी – मेज की व्यवस्था, टंकन तथा लेखन सामग्री पर व्यय, प्रशिक्षण देने वालों को मानदेय तथा खाने पर खर्चा।

(b) **स्कूल पूर्व शिक्षा–** इस कार्यक्रम के लिए कपार्ट ने 12500 रू0 का योगदान दिया तथा संस्था ने 95 रू0 का सहयोग दिया। अनुदान अध्यापिका को मानदेय देने के लिए, बच्चों को शिक्षण सामग्री व उन्हें नाश्ता कराने इत्यादि के लिए था। इन्हीं मदों पर समिति ने खर्चा भी किया।

(c) कार्यक्रमों को सुचारू रूप से चलाने के लिए कपार्ट ने 5000 रूका अनुदान अलग से दिया था। संस्था के संचालक प्रतिमाह एक बार गाँव जाकर इस बात की पुष्टि करते थे कि कार्यक्रम सही तरह से चलाये जा रहे हैं।

कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि कपार्ट द्वारा दी गई धनराशि का पूरी तरह कार्य को समाप्त करने में ही सदुपयोग किया गया।

(ix) कार्यक्रम संबंधी रिकार्ड का रखरखाव:

संस्था ने सारे कार्यक्रमों के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए सभी जानकारियाँ रजिस्टर में दर्ज कर रखी थीं। साथ–साथ आय–व्यय के रिकार्ड भी सही तरह से तैयार थे और हमें सभी उपलब्ध कराए गए।

(x) समिति द्वारा चलाए कार्यक्रमों की समीक्षा

कार्यक्रम संबंधी सभी विषयों की जानकारी प्राप्त करने के पश्चात तथा लाभार्थियों से साक्षात्कार करने के उपरान्त यह कहते हुए प्रसन्नता हो रही है कि समिति ने कार्यों का संचालन अच्छी तरह से तो किया है और साथ–साथ उन आदिवासियों की अन्य रूप से भी मदद की है जो कि कार्यक्रम का भाग नहीं थे।

(xi) समिति द्वारा कार्यक्रम संबंधी दस्तावेज एवं फोटो आदि का रेकार्ड

समिति ने हर कार्यक्रम की फोटो खींची, कार्यक्रमों के बारे में स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशन भी किया तथा समिति के कार्यालय में भी इन दस्तावेजों को संभालकर रखा गया है।

(xii) क्या कार्यक्रम सफलतापूर्वक चलाया गया ?

दोनों ही कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुए।

(xiii) यह प्रश्न लागू नहीं होता क्योंकि कार्य सफल रहा

(xiv) लाभार्थियों की वर्गानुसार सूची।

सूची संलग्न है तथा सभी लाभार्थी आदिवासी हैं। लिंग भी सूची में दर्शाया गया है।

(xv) कार्यक्रम से होने वाले लाभ

जनचेतना के 50 लाभार्थी थे तथा पूर्व स्कूल शिक्षा में 25 बच्चों को चयनित किया गया।

जनचेतना कार्यक्रम के अंतर्गत आदिवासियों में आत्मविश्वास, देखने को मिला। साथ ही साथ उनमें स्वास्थ्य के प्रति तथा अपने बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूकता के प्रमाण मिले हैं। इसके अतिरिक्त उनकी प्रकृति में सुधार आया है जिससे उन्होंने शराब जैसी लत काफी हद तक छोड़ दी है और चोरी के बदले कार्य करके अपना जीवन यापन करना शुरू कर दिया है।

बच्चों में पूर्व शिक्षा के कार्यक्रम से बच्चे भी लाभान्वित हुए हैं और 25 से 15 अभी भी स्कूल में पढ़ रहे हैं।

(xvi) कार्यक्रम में किसी भी प्रकार से Asset को बनाने की बात ही नहीं थी।

(xvii) " फैलोअप " कार्यक्रम

समिति के सदस्य कार्यक्रमों की अवधि पूरा होने के बाद भी फैलोअप में व्यस्त रहे ताकि लोगों के बीच जो जागरूकता की ज्योति जलाई थी उसकी लौ बनी रहे। साथ ही साथ जिन बच्चों का स्कूल में नामाँकन करवाया था वो स्कूल जाते रहें। यह कार्य समिति लगभग एक साल तक करती रही और अब सभी लाभार्थी पूरी तरह सजग हो गए हैं।

अतं में यह कहना उचित होगा कि जिस उद्देश्य से स्वयं कपार्ट ने समिति को अनुदान दिया था उसे पूरा करने में महिला जन जागृति सेवा समिति पूरी तरह से सफल रही है।

बेघरवार आदिवासियों को सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम

ग्राम सभा चिरगॉव देहात, विकास खण्ड चिरगॉव

क्र0सं0	लाभार्थी का नाम	पिता / पति का नाम	साक्षात्कार किए गए लाभार्थी
1–	श्री रामगिरि	श्री कुन्दन	√
2–	श्रीमती शान्ती	श्री रामगिरि	√
3–	श्री राम चन्दर	श्री रामगिरि	√
4–	श्रीमती मालपुरी	श्री राम चन्दर	√
5–	श्री रामरतन	श्री रामगिरि	√
6–	श्रीमती लाजवन्ती	श्री रामरतन	√
7–	श्री दीपक	श्री रामरतन	√
8–	श्री किशोरी	श्री रामगिरि	√
9–	श्रीमती प्रेमवती	श्री किशोरी	
10–	श्री किशन	श्री मुंशी	
11–	श्रीमती सीता	श्री किशन	
12–	श्रीमती नारंगी	श्री विश्वनाथ	
13–	श्री विश्वनाथ	श्री श्यामलाल	
14–	श्री गुल्लू	श्री नत्थू	
15–	श्रीमती राधा	श्री गुल्लू	√
16–	श्री पुना	श्री नत्थू	
17–	श्रीमती माया	श्री पुना	
18–	श्री वासुक	श्री सुरजन	

19–	श्रीमती गीता	श्री वासुक	
20–	श्री टमाटर	श्री श्रीराम	
21–	श्रीमती रामप्यारी	श्री टमाटर	√
22–	श्री गोपाल	श्री सुरजन	
23–	श्रीमती कलावती	श्री गोपाल	√
24–	श्री कन्हैया	श्री रामगिरि	
25–	श्रीमती सोनी	श्री कन्हैया	
26–	श्री मलखान	श्री श्रीमान	
27–	श्रीमती जमुना	श्री मलखान	
28–	श्री सूरजभान	श्री मोहन	
29–	श्रीमती गीता	श्री सूरजभान	√
30–	श्री बृजु	श्री कुशल सिंह	
31–	श्री बिहारी	श्री बृजु	
32–	श्री भीम	श्री बृजु	
33–	श्रीमती गुलाबो	श्री तुलसी	√
34–	श्री सृजन गिर	श्री तुलसी	
35–	श्री सूरज बाई	श्री सृजन गिर	
36–	श्री नारी	श्री सृजन गिर	
37–	श्री अमिताभ	श्री सृजन गिर	
38–	श्री भुल्लन	श्री अनवर सिंह	
39–	श्रीमती रूकमणि	श्री भुल्लन	
40–	श्री राम सिंह	श्री भुल्लन	√
41–	श्रीमती करन सिंह	श्री भुल्लन	

42–	श्रीमती माया	श्री करन सिंह
43–	श्री घनश्याम	श्री किशन
44–	श्रीमती सीता	श्री घनश्याम
45–	श्री लखन	श्री विश्वनाथ
46–	श्रीमती सविता	श्री लखन
47–	श्री दीपक	श्री अर्जुन
48–	श्री फूल कुमारी	श्री दीपक
49–	श्री विजय	श्री बोधा
50–	श्रीमती पान कुॲर बाई	श्री विजय
51–	श्री राजेश	श्री बृजु
52–	श्रीमती गीता	श्री राजेश
53–	श्री काली चरन	श्री बृजु
54–	श्रीमती कलावती	श्री काली चरन

√

स्कूल जाने से पूर्व आयु वर्ग के बच्चों की सूची

स्थानीय (प्रशिक्षण एवं शिक्षण)

संस्था का नाम – महिला जन जागृति सेवा समिति चिरगाँव – झाँसी

क्र0सं0	छात्र का नाम	पिता का नाम	साक्षात्कार किए गए लाभार्थी
1–	श्री जीवन	श्री राम रतन	√
2–	श्री भागचन्द्र	श्री किशोरी	
3–	कु0 नखदी	श्री किशोरी	
4–	कु0 धन्नो	श्री किशोरी	
5–	श्री विजय	श्री किशोरी	√
6–	कु0 रामवती	श्री किशन	
7–	श्री भान सिंह	श्री किशन	
8–	कु0 लक्ष्मी	श्री किशन	
9–	श्री लक्ष्मन	श्री विश्वनाथ	
10–	श्री वनमाली	श्री विश्वनाथ	
11–	श्री जुगना	श्री विश्वनाथ	√
12–	श्री बिरजु	श्री गुल्लू	
13–	कु0 वीरवती	श्री गुल्लू	√
14–	श्री राधेश्याम	श्री गुल्लू	
15–	श्री कालू	श्री गुल्लू	√
16–	श्री चन्दन	श्री टमाटर	√
17–	श्री रामलखन	श्री टमाटर	
18–	कु0 धन्नो	श्री गोपाल	

19–	कु0 बाजा	श्री गोपाल	
20–	कु0 जमुना	श्री गोपाल	√
21–	श्री बादल	श्री गोपाल	
22–	कु0 अनीता	श्री गोपाल	

श्रीमती - गीता देवी . w/o - श्री - बाबूलाल

श्रीमती - रामप्यारी - w/o - श्री - ब्रजलाल

3932